B.Com. (HONS)
Pt- A/cs & Finance
समूह.
Paper – VI
Cost & Management
Accounting.
Date. 28.07.2020.

प्रो० अवधेश कुमार
सहायक प्राध्यापक
वाणिज्य विभाग.
V.K.S. Mahavidyalaya
(नावानगर बक्सर)

UNIT – III

TOPIC – DISTINCTION BETWEEN STANDARD COSTING AND ESTIMATED COSTING.

प्रमापित लागत विधि तथा अनुमानित लागत विधि के बीच निम्नलिखित अंतर पाया जाता है:—

आधार	प्रमापित लागत विधि	अनुमानित लागत विधि
1. भविष्य के उत्पादन	इस विधि का उद्देश्य भविष्य के उत्पादन के लिए मापदण्ड तैयार करना होता है, जिससे निर्माता उत्पादन करते समय इस मापदण्ड का प्रयोग कर सकें.	जबकि इसका उद्देश्य भविष्य के उत्पादन के लिए मापदण्ड तैयार करना नहीं होता है.
2. कार्यक्षमता का मूल्यांकन	इस विधि के आधार पर उत्पादन की कार्यक्षमता का मूल्यांकन करना आसान होता है.	जबकि इससे कार्यक्षमता का मूल्यांकन नहीं किया जा सकता केवल वास्तविक लागत की जानकारी प्राप्त किया जा सकता है.

Scanned with CamScanner

आधार	प्रामाणिक लागत विधि	अनुमानित लागत विधि
3. विश्वसनीयता	उत्पादन कार्यों में इस विधि को अधिक विश्वसनीय माना जाता है.	जबकि यह विधि विश्वसनीय नहीं माना जाता है.
4. परिवर्तन	इस विधि के अनुसार एक बार लागत निर्धारित करने के बाद परिवर्तन नहीं किया जाता है.	जबकि इसके अनुसार लागत निर्धारण के बाद भी इसमें परिवर्तन किया जा सकता है.
5. वास्तविक खर्चों का प्रयोग	इसके अनुसार हिसाब लगाने के लिए वास्तविक खर्चों का प्रयोग नहीं किया जाता है.	जबकि इसमें वास्तविक खर्चों का प्रयोग किया जाता है, क्योंकि इसका उद्देश्य अनुमानित खर्चों को वास्तविक खर्चों के बराबर करना होता है.
6. सूचना प्राप्त होना	इस विधि के अनुसार लागत के संबंध में अनेक सूचनाएँ प्राप्त होती रहती हैं.	जबकि इस विधि से लागत के संबंध में कम सूचनाएँ प्राप्त होती है.
7. खर्चीला	यह विधि संस्था के लिए अत्यधिक खर्चीला होता है.	जबकि यह अपेक्षाकृत कम खर्चीला होता है.
8. अनिवार्यता	यह विधि उत्पादकों के लिए आवश्यकता है. साथ-२ अनिवार्य-सा हो जाता है.	जबकि यह आवश्यक है न कि अनिवार्य.

Scanned with CamScanner

आधार	आगमनिक शिक्षण विधि	अनुमानित शिक्षण विधि
9. अंकगणित का क्षेत्र	इस विधि का प्रयोग वहाँ किया जाता है जहाँ बालक के संबंधित पूर्व ज्ञान का अभाव रहता है.	जबकि इस विधि का प्रयोग सामान्यतः उच्च कक्षाओं में किया जाता है.
10. अवधि	यह एक नवीनतम पद्धति है जिसका प्रयोग वर्तमान में अधिकतर किया जा रहा है.	जबकि यह प्राचीनतम पद्धति है और यह दीर्घ काल से प्रयोग किया जा रहा है.